

## डीआरडीओ ने ओडिशा तट से भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल तथा लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया





मुख्य संपादक: किरण चौहान  
सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण  
संपादक: दीप्ति अरोरा  
सहायक संपादक: धर्म वीर  
अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 36वां वर्ष  
दिसम्बर 2024 खण्ड 36 अंक 12

## हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चंदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैक्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्रीमती साइमा बशीर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री डी पी त्रिपाठी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोश कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय डॉ नवीन कुमार सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल) श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) श्री सीएच नरसिम्हाचारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) श्री एस शशी नाथ, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	श्री सुनील भण्डारी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



## इस अंक में

मुख्य लेख	4
नवोन्मेष	6
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	8
अवसंरचना विकास	10
घटनाक्रम	12
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	19
कार्मिक समाचार	33
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	34



वर्तमान अंक, *DRDO Newsletter*, Vol 44, Issue 12, December 2024, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:  
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in  
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

## डीआरडीओ ने ओडिशा तट से भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 16 नवंबर 2024 को ओडिशा के तट से दूर डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वीप से भारत की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। इस हाइपरसोनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी तक विभिन्न प्रकार के पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

कई डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों ने मिसाइल को ट्रैक किया। डाउनरेंज शिप स्टेशनों से प्राप्त उड़ान डेटा ने उच्च स्तर की सटीकता के साथ सफल टर्मिनल युद्धाभ्यास और प्रभाव की पुष्टि की।

इस मिसाइल को हैदराबाद के डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स की प्रयोगशालाओं के साथ-साथ डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा सशस्त्र बलों के अधिकारी उड़ान परीक्षण के गवाह बने।

X पर एक पोस्ट में, माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उड़ान परीक्षण को एक ऐसी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसने भारत को ऐसी महत्वपूर्ण एवं उन्नत सैन्य तकनीकी क्षमता वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है। उन्होंने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों, और उद्योगों को बधाई दी।





## डीआरडीओ ने ओडिशा तट से लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 12 नवंबर, 2024 को ओडिशा के तट से दूर चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर द्वारा लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (LRLACM) का पहला उड़ान परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान, सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया तथा प्राथमिक मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। रडार, ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम, और विभिन्न स्थानों पर आईटीआर द्वारा तैनात टेलीमेट्री सहित कई रेंज संवेदकों ने उड़ान पथ के पूर्ण कवरेज को सुनिश्चित करने के लिए मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी की।

मिसाइल ने वेपॉइंट नेविगेशन का उपयोग करके वांछित पथ का अनुसरण किया और विभिन्न ऊंचाइयों और गति पर उड़ान भरते समय विभिन्न युद्धाभ्यास करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्नत एवियोनिक्स तथा सॉफ्टवेयर मिसाइल को बेहतर एवं विश्वसनीय प्रदर्शन के लिए सुसज्जित करते हैं।

वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु, ने अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ LRLACM को विकसित किया है। LRLACM



के दो विकास-सह-उत्पादन साझेदार, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), हैदराबाद तथा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), बेंगलुरु, मिसाइल विकास एवं एकीकरण में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों, और सिस्टम उपयोगकर्ताओं ने परीक्षण का अवलोकन किया।

LRLACM एक रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा अनुमोदित, अति-महत्वपूर्ण मिशन मोड परियोजना है। इस प्रणाली को मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर का उपयोग करके जमीन से और एक सार्वभौमिक ऊर्ध्वाधर लॉन्च मॉड्यूल प्रणाली का उपयोग करके फ्रंटलाइन जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल प्रथम उड़ान परीक्षण पर डीआरडीओ, सशस्त्र बलों, और उद्योगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह भविष्य के स्वदेशी क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रमों का मार्ग प्रशस्त करता है।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने LRLACM के सफल प्रथम प्रक्षेपण पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

## डीआरडीओ द्वारा P-7 पैराशूट प्रणाली का एएचएसपी डीजीक्यूए को सौंपा गया

हवाई डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई), आगरा, ने P-7 पैराशूट प्रणाली के अर्थॉरिटी होल्डिंग सील्ड पार्टिकुलर्स (एएचएसपी) को गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) को सौंप दिया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 11 नवंबर 2024 को डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली, में आयोजित एक समारोह में एएचएसपी सौंपा। एडीआरडीई ने P-7 पैराशूट प्रणाली को सफलतापूर्वक डिजाइन, विकसित, और योग्य बनाया है। ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (ऑर्डनेंस पैराशूट फैक्ट्री), जीआईएल (ओपीएफ), कानपुर, ने पैराशूट प्रणाली का निर्माण किया है, जो आईएल-76 विमान से 9.5



टन तक के पेलोड को चार किलोमीटर तक की ऊंचाई से सुरक्षित रूप से गिराने में सक्षम है। भारतीय सेना इस प्रणाली के माध्यम से सीमावर्ती और संघर्ष वाले क्षेत्रों में अपनी लाइट फील्ड गन और जीप को हवाई मार्ग से तेजी

से तैनात कर सकती है। सेना ने 146 P-7 हैवी ड्रॉप पैराशूट प्रणाली की आपूर्ति के लिए मांगपत्र भी दिया है। इस प्रणाली ने जनरल स्टाफ मुल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और इसे सेवाओं में शामिल कर लिया गया है।

## सिलिकॉन कार्बाइड वेफर्स और GAN HEMT-आधारित MMIC तकनीक का एक्स-बैंड अनुप्रयोगों तक स्वदेशी विकास

ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली, ने 4 इंच सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) वेफर्स, 150W तक के गैलियम नाइट्राइड (GaN) हाई इलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर्स (HEMTs) और 40W तक के मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट (MMICs) बनाने के लिए अपनी विधियां सफलतापूर्वक विकसित कर ली हैं। GaN/SiC तकनीक रक्षा, एयरोस्पेस, और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में अगली पीढ़ी के अनुप्रयोगों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है।

यह उन्नत तकनीक बेहतर दक्षता, कम आकार एवं वजन, और उच्च क्षमता प्रदर्शन प्रदान करती है, जिससे यह भविष्य की युद्ध प्रणालियों, रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों, और हरित ऊर्जा समाधानों के लिए आवश्यक हो जाती है। भविष्य की युद्ध प्रणालियों में हल्के और अधिक कॉम्पैक्ट बिजली आपूर्तियों की बढ़ती मांग के साथ, GaN/SiC तकनीक सैन्य और वाणिज्यिक दोनों क्षेत्रों के लिए संचार, गुप्त, टोही, और मानव रहित प्रणालियों के लिए

एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं।

गैटेक, हैदराबाद, ने सीमित उत्पादन क्षमता के साथ स्वदेशी GaN पर SiC-आधारित MMICs को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। ये अत्याधुनिक बहु-कार्यात्मक MMICs अगली पीढ़ी की रणनीतिक प्रणालियों, अंतरिक्ष, एयरोस्पेस, और 5G/सैटेलाइट संचार में व्यापक अनुप्रयोगों को पूरा करते हैं।

## डीआरडीओ ने गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली का उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

डीडीआरडी ने प्रोविजनल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स (PSQR) सत्यापन परीक्षण के हिस्से के रूप में गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया। 14 नवंबर 2024 को अलग-अलग फील्ड फायरिंग रेंज में तीन चरणों में उड़ान परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों के दौरान, PSQR पैरामीटर, जैसे कि रेंज, सटीकता, स्थिरता, और साल्वो मोड में कई लक्ष्यों के संलग्न होने की दर, रॉकेटों के व्यापक परीक्षण द्वारा आकलन किया गया। लॉन्चर उत्पादन एजेंसियों द्वारा अपग्रेड किए गए दो इन-सर्विस पिनाका लॉन्चरों से प्रत्येक उत्पादन एजेंसी के बारह (12) रॉकेटों का परीक्षण किया गया।

पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए सटीक स्ट्राइक वैरिएंट को आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे; रिसर्च सेंटर इमारत



(आरसीआई), हैदराबाद; रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद; उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे; और प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), बालासोर द्वारा डिजाइन एवं निर्मित किया गया।

म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड तथा इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड एम्यूनिशंस उत्पादन के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड तथा लार्सन एंड टुब्रो पिनाका लॉन्चर और बैटरी कमांड के लिए जिम्मेदार हैं।

## रक्षा प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण सफलता

ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली, तथा रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई), हैदराबाद, ने प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत, उद्योग भागीदार मेसर्स टेक्नो क्राफ्ट इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड के साथ मिलकर उच्च प्रदर्शन वाले लघु जूल-थॉमसन कूलर का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। यह घटक मिसाइलों में प्रयुक्त आईआर सीकरों के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्पाद के निर्यात के लिए भी जानकारी प्राप्त हुई है।





## डीएमएसआरडीई ने पीसीएस संश्लेषण पर प्रमुख प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 'पॉली कार्बो सिलेन (PCS) के संश्लेषण के लिए एक प्रक्रिया' के रूप में जानी जाने वाली एक प्रौद्योगिकी विकसित की। PCS सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) नामक रणनीतिक सामग्री के विकास के लिए एक अग्रदूत सामग्री है। एनाबॉन्ड लिमिटेड, चेन्नई, को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया गया। 22 अक्टूबर 2024 को डीएमएसआरडीई में एक कार्यक्रम के दौरान, डॉ किंगसुक मुखोपाध्याय, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह-निदेशक, ने औपचारिक रूप से उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेज और लाइसेंस समझौता सौंपा। श्री के अधिनारायणन, कंपनी के निदेशक (आरएंडडी), ने श्री आलोक कुमार दीक्षित, वैज्ञानिक 'जी' एवं

सह-निदेशक; डॉ सुरेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी'; श्री राघवेश मिश्रा, वैज्ञानिक 'एफ'; डॉ राकेश कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक

'एफ'; डॉ मोहित कटियार, वैज्ञानिक 'ई'; तथा टीम के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में यह दस्तावेज प्राप्त किए।



## मार्क-II आईसीसीपी प्रणाली का एलएटीओटी मेसर्स एलकॉम प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, द्वारा नौसेना युद्धपोत के अंतर्जलीय हल को संक्षारण से बचाने के लिए मार्क-II इम्प्रेस्ड करंट कैथोडिक प्रोटेक्शन (आईसीसीपी) सिस्टम विकसित किया गया। जहाज परीक्षणों के बाद भारतीय नौसेना ने आईसीसीपी मार्क-II को शामिल करने की सिफारिश की है। मेसर्स एलकॉम प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई ने मार्क-II आईसीसीपी प्रणाली का टीओटी हासिल कर लिया है। इस उत्पाद के लिए एलएटीओटी दस्तावेजों को औपचारिक रूप से 18 अक्टूबर 2024 को एनएमआरएल में श्री पीटी



रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एनएमआरएल, तथा डॉ जी गुणाशेखरन,

परियोजना निदेशक, द्वारा मेसर्स एलकॉम प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया।



## एनपीओएल ने ध्वनिक अनुसंधान पोत के लिए जीआरएसई के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने ध्वनिक अनुसंधान पोत 'सागर स्पंदन' के डिजाइन और निर्माण के लिए मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड, कोलकाता, के साथ 490.98 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। डॉ. दुव्वुरी शेषागिरी, निदेशक, एनपीओएल तथा कमांडर शांतनु बोस, निदेशक (जहाज निर्माण), जीआरएसई, ने 29 अक्टूबर 2024 को एनपीओएल, कोच्चि में एनपीओएल और जीआरएसई के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

जहाज को ध्वनिक रूप से शांत बनाया जाएगा और इसमें पानी के भीतर न्यूनतम विकिरणित शोर होगा। यह पहली बार है जब देश में मूक श्रेणी का जहाज बनाया जा रहा है। यह जहाज विभिन्न उपकरणों को तैनात



करने और खींचने में सक्षम होगा, जैसे ध्वनिक मॉड्यूल, ध्वनि वेग प्रोफाइल तैयार करना, समुद्री डेटा एकत्र करना, और अंतर्जलीय मूर सिस्टम की तैनाती करना। जहाज में डायनेमिक पोजिशनिंग सिस्टम होगा और यह 4 नॉट से लेकर 12 नॉट तक की गति से उड़ान भरने में सक्षम होगा। अपनी अधिकतम गति पर, जहाज एक ही मिशन में 30 दिन या 4500 समुद्री मील की दूरी तय

कर सकेगा। मून पूल, गोंडोला, ड्रॉप कील, और ऑन बोर्ड हैंडलिंग उपकरण सहित विशेष परीक्षण सुविधाएं जहाज को विभिन्न समुद्री परीक्षणों के लिए सुसज्जित करेंगी।

जीआरएसई तीन साल में जहाज की डिलीवरी करेगा। अत्याधुनिक समुद्र विज्ञान उपकरणों से सुसज्जित जहाज का निर्माण एनपीओएल के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

## एसएजी और एनआईटी-दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन

26 नवंबर, 2024 को, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), दिल्ली, ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), दिल्ली, के साथ पांच साल के लिए आपसी हित के क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सहयोग करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राष्ट्रीय प्रासंगिकता के बहु-विषयक वैज्ञानिक और तकनीकी मुद्दों को संबोधित करेगा।

एसएजी और एनआईटी-दिल्ली मुख्य रूप से साइबर और नेटवर्क सुरक्षा,

एआई/एमएल, बिग डेटा एनालिटिक्स, पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, और क्वांटम कंप्यूटिंग/संचार, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, उन्नत गणित और क्रिप्टोलॉजी, क्लाउड

कंप्यूटिंग, वायरलेस संचार एवं सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और जनशक्ति प्रशिक्षण में सहयोग करेंगे।



## डीएलजे में भास्कर सुविधा

प्रोफेसर अजय कुमार सूद, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, तथा डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, द्वारा 19 अक्टूबर 2024 को श्री आरवी हारा प्रसाद, महानिदेशक (एनएसएंडएम); डॉ मनु कोरुल्ला, महानिदेशक (आरएंडएम); तथा डॉ श्रीनिवास राव, पूर्व महानिदेशक (एनएसएंडएम) की उपस्थिति में भास्कर सुविधा का उद्घाटन किया गया।

इस सुविधा में निम्नलिखित शामिल हैं:

- इंजन बे एक परीक्षण बेंच से सुसज्जित है जिसमें एक लघु गैस टरबाइन इंजन, विभिन्न ज्यामितियों के नोजल और एक स्थानिक एवं रेडियल संपर्क प्रोब माप सरणी है, ये सभी कोणीय माप के लिए 360 डिग्री घूमने वाले प्लेटफॉर्म पर लगे हैं।
- स्वदेशी रूप से विकसित पूर्वानुमान और विश्लेषण उपकरण के साथ



आईआर सिमुलेशन प्रयोगशाला।

- सिस्टम और मापन प्रयोगशाला जो 50 से 3000 डिग्री सेल्सियस तक के विभिन्न ब्लैकबॉडी स्रोतों, एक IR इमेजिंग सिस्टम जो मध्य और लंबी तरंग बैंड को कवर करता है, तथा एक IR स्पेक्ट्रल रेडियोमीटर

से सुसज्जित है।

- फील्ड IR माप के लिए मोबाइल इन्फ्रारेड प्रयोगशाला।
- यह सुविधा टैंकों के आईआर हस्ताक्षरों का अनुकरण करने के लिए मॉड्यूलर थर्मल टारगेट सिस्टम (TTS) का निर्माण करेगी।

## एनएसटीएल, विशाखापत्तनम में भूमि आधारित पनडुब्बी Li-आयन बैटरी परीक्षण सुविधा का उद्घाटन

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 4 अक्टूबर 2024 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, में अत्याधुनिक और अपने आप में अनूठी भूमि आधारित पनडुब्बी बैटरी परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई यह सुविधा एनएसटीएल द्वारा विकसित लिथियम-आयन तकनीक पर आधारित पनडुब्बी बैटरियों के

परीक्षण के लिए है। टीओटी धारक और उद्योग भागीदार, मैसर्स एचबीएल पावर सिस्टम्स, हैदराबाद, ने अपने कैप्टिव बैटरी प्रबंधन प्रणाली के साथ एकीकृत आवश्यक सेल्स और मॉड्यूल का उत्पादन किया। सेल के रसायन को इस तरह चुना गया है कि यह भंडारण, परिवहन, और उपयोग में अत्यधिक सुरक्षित है। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ कामत ने कहा कि नौसेना, सुरक्षा और बेहतर अचेतन अनुपात के लाभों

के कारण मौजूदा प्लेटफार्मों में रेट्रोफिट के लिए स्वदेशी बैटरी को अपनाने के साथ-साथ अपने भविष्य के प्लेटफार्मों में तैनात करने के लिए बहुत उत्साही है। श्री आरवी हाराप्रसाद, महानिदेशक (एनएस एंड एम), ने नौसेना को पेश करने से पहले पूर्ण पैमाने पर बैटरियों को साकार करने और उनका पूरी तरह से परीक्षण करने की त्वरित पूर्णता पर जोर दिया। डॉ अब्राहम वर्गीस, निदेशक, एनएसटीएल, ने अपना विश्वास व्यक्त



किया की बैटरी, एनएसटीएल के सदस्यों, नौसेना, और उद्योगों की सभी गुणात्मक आवश्यकताओं को पूरा करेगी। डॉ वाई श्रीनिवास राव, पूर्व महानिदेशक (एनएसएंडएम), तथा डॉ मनु कोरुल्ला,

महानिदेशक (आरएंडएम), डीआरडीओ मुख्यालय, ने इस अवसर पर चर्चा की। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ डॉ टीवीएसएल सत्यवानी, वैज्ञानिक 'जी' एवं परियोजना निदेशक, द्वारा परियोजना का

पूरा तकनीकी अवलोकन प्रस्तुत करने के साथ हुआ। एनएसटीएल के कई सेवानिवृत्त एवं सेवारत वरिष्ठ वैज्ञानिकों और भारतीय नौसेना तथा उद्योगों के अधिकारियों ने समारोह में भाग लिया।





## स्थापना दिवस समारोह

### एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला, (एएसएल), हैदराबाद, ने 16 अक्टूबर 2024 को अपना 23वां वार्षिक दिवस मनाया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ मुख्य अतिथि थे, तथा वाइस एडमिरल सूरज बेरी, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम सी-इन-सी, मुख्यालय एसएफसी, विशिष्ट अतिथि थे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री एल परिदा, वैज्ञानिक 'जी' ने उपस्थित सम्मानित लोगों का स्वागत किया।

डॉ गौरी शंकर वुरीति, वैज्ञानिक 'एफ', प्रबंधन सेवाओं के निदेशक, ने एएसएल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री बी वी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल, ने अपने संबोधन में विभिन्न उपलब्धियों और प्राप्त की गई मुख्य उपलब्धियों, विशेष रूप से एमआईआरवी मिशन और कई चल रही परियोजना गतिविधियों की प्रगति पर प्रकाश डाला, साथ ही आने वाले वर्षों के लिए प्रयोगशाला के लक्ष्यों को सबके समक्ष रखा। वाइस एडमिरल सूरज बेरी ने एएसएल के सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्य की सराहना की और आज के युद्ध परिदृश्य में एआई और एमएल जैसी नई तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ कामत ने एएसएल परिवार को बधाई दी और देश को गौरवान्वित करने वाले एएसएल द्वारा किए गए प्रभावी और कुशल कार्य की सराहना की। 30 और 35 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को प्रयोगशाला स्तर के प्रशस्ति प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रयोगशाला की आंतरिक प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया गया।



श्री एस सीता रमन, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

### सीफीस, दिल्ली

अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस), दिल्ली, ने 10 अक्टूबर 2024 को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ उपस्थित थे, तथा डॉ सुब्रत रक्षित, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसएएम एवं टीएम) और एवीएम आर

गुरुहरि, एसीएस (डब्ल्यूपीएन), वायु सेना मुख्यालय, विशिष्ट अतिथि थे। श्री अरविंद कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीफीस, ने अपने संबोधन में विभिन्न उपलब्धियों, प्राप्त किये गए लक्ष्यों, और चल रही परियोजना गतिविधियों की प्रगति पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने रक्षा मंत्रालय के लिए सीफीस द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सीफीस कम्पेन्डियम ऑफ टेक्नोलोजिस (सहिंता) का विमोचन भी किया गया।





## अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी - ADAS - 2024 में भागीदारी

श्री अरविंद कुमार सिंह, वैज्ञानिक 'जी', वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), बेंगलुरु, के नेतृत्व में डीआरडीओ के एक प्रतिनिधिमंडल ने चार सदस्यों, लेफ्टिनेंट कर्नल अभिनव कुमार, (डीपीआई, मुख्यालय); श्री एल्डो जैकब, वैज्ञानिक 'एफ' (एनपीओएल); श्री सुभाष मुकाने, वैज्ञानिक 'एफ' (एआरडीई, पुणे); तथा श्री दोसाला श्रीधर, वैज्ञानिक 'ई' (डीआरडीएल) के साथ 24-27 सितंबर 2024 के दौरान मनीला, फिलीपींस में "एशियाई रक्षा और सुरक्षा (एडीएस)" में डीआरडीओ उत्पादों के प्रदर्शन में भाग लिया। टीम ने भारतीय मंडप के हिस्से के रूप में डीआरडीओ की प्रमुख तकनीकों, जैसे एयरबोर्न



अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (AEW&C) सिस्टम, आईएफएफ मार्क-XII (एस) सिस्टम, पनडुब्बी, एमबीटी अर्जुन, आकाश मिसाइल, पिनाका मल्टी बैरल

रॉकेट आदि का प्रदर्शन किया। श्री हर्ष कुमार जैन, फिलीपींस गणराज्य में भारत के राजदूत, ने भारतीय मंडप का उद्घाटन किया।

## अफ्रीका एयरोस्पेस और रक्षा-2024

डीआरडीओ के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री गोकुल देपुक टी पी, वैज्ञानिक 'ई', वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), बेंगलुरु, के साथ चार अन्य अधिकारियों, श्री सुमंत पाल, वैज्ञानिक 'एफ' (एलआरडीई); श्री इतेखाबुर रहमान अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' (डीपीआई, डीआरडीओ मुख्यालय); श्री सुवाश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' (एआरडीई); तथा श्री सृजन त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'ई' (डीआरडीएल) के साथ 18-22 सितंबर 2024 के दौरान दक्षिण अफ्रीका के त्शवाने शहर में वाटरलूफ एयरपोर्ट फोर्स बेस में 'अफ्रीका एयरोस्पेस और रक्षा (एडी-2024)' में डीआरडीओ उत्पादों के प्रदर्शन में भाग लिया। टीम ने भारतीय मंडप के हिस्से के रूप में डीआरडीओ की प्रमुख तकनीकों जैसे एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल

(AEW&C) सिस्टम, आकाश मिसाइल, डब्ल्यूएलआर-स्वाति और एटीएजीएस का प्रदर्शन किया। श्री प्रभात कुमार, भारतीय उच्चायोग, दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय मंडप का उद्घाटन किया।

प्रदर्शनी ने विभिन्न देशों को अपनी तकनीकों और प्रदर्शनियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रदर्शनी में इनडोर और आउटडोर दोनों तरह की प्रदर्शनी शामिल थीं।



## एनएमआरएल में फोर्स वन और स्थानीय पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 15 अक्टूबर 2024 को फोर्स वन (स्पेशल एक्शन टीम, ठाणे पुलिस) और स्थानीय कानून प्रवर्तन इकाइयों के सहयोग से एक मॉक ड्रिल की मेजबानी की। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य एनएमआरएल की सुरक्षा प्रोटोकॉल, तत्परता और संकट-प्रतिक्रिया क्षमताओं का आकलन करना और उन्हें बढ़ाना था। मॉक ड्रिल की शुरुआत एनएमआरएल द्वारा फोर्स वन की सामरिक इकाई को सुविधा लेआउट, प्रमुख बुनियादी ढांचे और संभावित खतरे के परिदृश्यों के बारे में जानकारी देने के साथ हुई। स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर, फोर्स वन ने बंधकों को बचाने, निगरानी करने और नियंत्रण



करने के लिए एक मॉक ड्रिल की, जिसमें उच्च जोखिम वाले परिदृश्यों को संभालने में उनके विशेष प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया गया। प्रतिक्रिया समय, संचार प्रभावकारिता, और सामरिक समन्वय जैसे प्रदर्शन मापदंडों के

लिए ड्रिल को गंभीरता से देखा गया। इस मॉक ड्रिल ने एनएमआरएल और स्थानीय सुरक्षा बलों की एनएमआरएल में कड़े सुरक्षा उपायों और परिचालन तत्परता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

## एनपीओएल को भारतीय मानक ब्यूरो से स्मृति चिन्ह प्राप्त हुआ

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), चेन्नई, से ISO 9001:2015 (QMS) प्रमाणन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए स्मृति चिन्ह प्राप्त हुआ। डॉ कोचालिमा के एच, वैज्ञानिक 'जी', तथा श्री श्रीकुमार बी, तकनीकी अधिकारी 'बी', एनपीओएल, को 14 अक्टूबर, 2024 को विश्व मानक दिवस 2024 कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु सरकार, सहकारिता, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ जे राधाकृष्णन, आईएस, से स्मृति चिन्ह प्राप्त हुआ।

विश्व मानक दिवस 2024 कार्यक्रम चेन्नई के कलैवनार आरंगम में बीआईएस, चेन्नई शाखा कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया। विभिन्न



उद्योग भागीदारों, सरकारी अधिकारियों, शिक्षाविदों, और बीआईएस हितधारकों ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

बीआईएस, चेन्नई, इकाई ने जुलाई 2024 में एनपीओएल का ISO

9001:2015 पुनः प्रमाणन ऑडिट किया और ऑडिट के दौरान लेखापरीक्षकों ने एनपीओएल के विभिन्न प्रभागों और परियोजनाओं में किए गए मानकीकरण गतिविधियों की अत्यधिक सराहना की।





## सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024

### डीएल, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर ने 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया तथा निदेशक, डीएल, जोधपुर, ने प्रयोगशाला के कर्मचारियों को शपथ दिलाई। 29 अक्टूबर 2024 को श्री ओम प्रकाश चौधरी, एएसपी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जोधपुर, द्वारा 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। डॉ एम के पात्रा, वैज्ञानिक 'जी' एवं सतर्कता अधिकारी, डीएलजे, ने कार्यक्रम का आयोजन किया।



### डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। सतर्कता जागरूकता अभियान के एक हिस्से के रूप में, डीएलआरएल के तीनों परिसरों, अर्थात् डीएलआरएल, ईएलएसईसी, और एनओएआर के मुख्य द्वार तथा प्रमुख स्थानों पर सतर्कता जागरूकता बैनर लगाए गए। डीएलआरएल ने कर्मचारियों के लिए 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' विषय पर त्रिभाषी (तेलुगु, हिंदी, और अंग्रेजी) निबंध एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। प्रयोगशाला ने 30 अक्टूबर 2024 को श्री एपी घोष, संयुक्त निदेशक,

प्रशासन, डीएलआरएल, द्वारा आचरण नियमों पर; लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशांत किशोर मिश्रा, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी, डीएलआरएल द्वारा शारीरिक सुरक्षा पर संक्षिप्त पहलू; श्री सीएच नरसिम्हाचारी, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख-एमआईएस द्वारा साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया। डॉ एम चक्रवर्ती, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, ने वक्ताओं को सम्मानित और विजेताओं को पुरस्कृत किया।



### डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने सभी डीएमएसआरडीई कर्मियों को सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने दैनिक गतिविधियों को अंजाम देते समय लगातार सतर्क रहने की सलाह दी। डॉ हरीश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' एवं सतर्कता अधिकारी, ने इस अवसर का संक्षिप्त परिचय और महत्व बताया तथा 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' विषय पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद श्री विनय वर्मा, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'साइबर सुरक्षा-सतर्कता और

सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ' तथा श्री संजीवन के अग्रवाल, तकनीकी अधिकारी 'सी' द्वारा 'सुरक्षा' पर व्याख्यान दिए गए। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सभी कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन, स्लोगन, और पोस्टर प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।



### ईसा, दिल्ली

पध्दति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली, ने 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत व्यक्तिगत नागरिक ईमानदारी प्रतिज्ञा और संगठनात्मक ईमानदारी प्रतिज्ञा लेकर की गई।

श्री अनुराग पाठक, वैज्ञानिक 'ई' ने 1 नवंबर 2024 को 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम के दौरान ईसा के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।





## एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, में 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। श्री एसके श्रीवास्तव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (पूर्व एलआरडीई) ने 29 अक्टूबर 2024 को एक व्याख्यान दिया। एमटीआरडीसी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया।



## एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने 28 अक्टूबर से 03 नवंबर 2024 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' मनाया। कार्यक्रम की गतिविधियों की शुरुआत श्री एस वासुदेवन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, एनपीओएल, के द्वारा सभी कर्मचारियों को सतर्कता एवं अखंडता की शपथ दिलाने के साथ हुई। 29 अक्टूबर 2024 को श्री पी ए मोहम्मद आरिफ, आईपीएस, एसपी, विशेष प्रकोष्ठ, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, एर्नाकुलम, द्वारा एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल, ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।



01 नवंबर 2024 को जनता के बीच सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एनपीओएल कर्मचारियों की एक टीम द्वारा एक छोटी रैली, 'वॉकथॉन 2024' का आयोजन किया गया। श्रीमती रमीता के, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, एनपीओएल, ने वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। श्री जोस कुरियन, वैज्ञानिक 'एफ' एवं समूह निदेशक (सतर्कता एवं सुरक्षा) ने कार्यक्रम की गतिविधियों का समन्वय किया।

## एनएमआरएल, अंबरनाथ

28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 के दौरान एनएमआरएल, अंबरनाथ, में सतर्कता जागरूकता सप्ताह बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का विषय था 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति'। सभी कर्मचारियों को श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल से ईमानदारी की शपथ दिलाई गई। श्री संजय शिंतरे, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक



(डीआईजी), साइबर सुरक्षा, महाराष्ट्र राज्य, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, ने 'साइबर अपराध जागरूकता' पर एक व्याख्यान दिया। अपने भाषण में, उन्होंने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों को कवर किया और ऐसे अपराधों और अपराधियों से दूर रहने के उपायों के बारे में बताया। कार्यक्रम में लगभग 120 एनएमआरएल कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

## एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया। उत्सव के हिस्से के रूप में, विभिन्न कार्यक्रम जिनमें पैम्फलेट का वितरण, स्कूली बच्चों को ब्रीफिंग और एनएसटीएल कर्मचारियों तथा रामनाथ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिताएं शामिल थीं। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने ईमानदारी की शपथ भी ली। कार्यक्रम के समापन पर 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' विषय पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें श्री के श्रीनिवासु, डीजीएम सतर्कता एचपीसीएल, विशाखापत्तनम, ने अपनी विशेषज्ञता साझा की।



## विश्व गुणवत्ता सप्ताह 2024

### एसीईएम, नासिक

11-15 नवंबर, 2024 को विश्व गुणवत्ता सप्ताह के रूप में नामित किया गया, जिसका विषय था 'गुणवत्ता: अनुपालन से प्रदर्शन तक'। ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक, गुणवत्ता प्रबंधन के मूल्य और प्रणोदक उत्पादन में संगठनात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में इसकी क्रांतिकारी भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस वैश्विक अभियान में शामिल हुआ। प्रणोदक उत्पादन में विकास और उत्कृष्टता की यात्रा में गुणवत्ता आश्वासन (क्यूए) के महत्व को ध्यान में रखते हुए, श्री मोहम्मद जियाउर रहमान, वैज्ञानिक 'ई', समूह प्रमुख, गुणवत्ता आश्वासन, ने अपनी टीम के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री टीवी जगदीश्वर राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं जीएम, एसीईएम, तथा श्री आरएस राणा, संयुक्त निदेशक, एसीईएम, ने कार्यक्रम के समापन समारोह में भाग लिया।



### डीएल, जोधपुर

विश्व गुणवत्ता सप्ताह, 11-15 नवंबर 2024 के दौरान रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर, में मनाया गया। समारोह के हिस्से के रूप में आमंत्रित वार्ताओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। डॉ सुषमा वर्मा, वैज्ञानिक 'जी', डीक्यूआरएंडएस ने 'क्यूए ऑडिट: अनुपालन से प्रदर्शन तक' पर एक व्याख्यान दिया; एमबीएम विश्वविद्यालय जोधपुर के उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रो0 मिलिंद के शर्मा ने 'लीन मैनेजमेंट' पर एक व्याख्यान दिया; तथा श्री जितेंद्र के गोयल,

वैज्ञानिक 'ई' ने इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन में विश्वसनीयता इंजीनियरिंग पर अपना अनुभव साझा किया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री एसके शर्मा वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम द्वारा किया गया।



### एनएमआरएल, अंबरनाथ

विश्व गुणवत्ता दिवस का आयोजन 18 नवंबर 2024 को एनएमआरएल, अंबरनाथ, में 'गुणवत्ता: अनुपालन से प्रदर्शन तक' विषय पर किया गया। श्री बी एस गुराव, वैज्ञानिक 'एफ', एआरडीई, पुणे, को कार्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रासंगिक विषय पर व्याख्यान देने के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने अतिथि का स्वागत किया।

श्री गुराव ने 'फेलियर रिपोर्ट एनालिसिस ए करेक्टिव एक्शन सिस्टम (FRACAS) केस स्टडीज PINAKA MLRS' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विकास एवं उत्पादन चरणों के दौरान गुणवत्ता प्रबंधन में विफलता विश्लेषण के महत्व पर संक्षेप में प्रकाश डाला।



### टीबीआरएल, चंडीगढ़

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़, ने 20 नवंबर 2024 को टीबीआरएल, रामगढ़ रेंज, रामगढ़, में विश्व गुणवत्ता सप्ताह मनाया। श्री जेबी सिंह, टीडी, आरएंडक्यूए, टीबीआरएल, ने संगठन के संदर्भ में कार्यक्रम की प्रासंगिकता और गुणवत्ता प्रबंधन पर प्रयोगशाला-स्तर पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ एम राघवेंद्र राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, टीबीआरएल, ने मुख्य व्याख्यान दिया और परियोजनाओं के सफल एवं समयबद्ध समापन के लिए क्यूए एवं प्रलेखन के महत्व पर जोर दिया। श्री अडापा मधुसूदन राव, वैज्ञानिक 'जी', जीडी, डीआरडीएल हैदराबाद; श्री ए के स्वामी, उप महाप्रबंधक, टाटा एडवांस सिस्टम्स, बेंगलुरु; तथा श्री विवेक कालोत्रा, वैज्ञानिक 'एफ' क्षेत्रीय निदेशक आरसीएमए, चंडीगढ़ ने इस अवसर पर उपस्थित होकर व्याख्यान दिए।





## एआरडीई में डीआरडीओ निदेशकों का दो दिवसीय सम्मेलन

डीआरडीओ निदेशकों का दो दिवसीय सम्मेलन 25 अक्टूबर 2024 को पुणे के आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई) में शुरू हुआ। डीआरडीओ के इस वार्षिक कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने किया। अपने संबोधन में, अध्यक्ष, डीआरडीओ ने आज के उभरते वैश्विक परिदृश्य में प्रौद्योगिकी नेतृत्व की महत्वपूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए डीआरडीओ को एक संगठन के रूप में सुधार, प्रदर्शन, और परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर दिया।

दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने भविष्य के संघर्षों के लिए अगली पीढ़ी की तकनीकों के उपयोग और एक आत्मनिर्भर रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में डीआरडीओ की भूमिका पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।

सम्मेलन में 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास को पुनर्परिभाषित करने के लिए डीआरडीओ में परिवर्तन' विषय पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को डीआरडीओ में किए गए सुधारों के बारे में जानकारी देना था, जिन्हें डीआरडीओ को और अधिक कुशल संगठन बनाने के लिए लागू किया गया है या लागू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रक्षा प्रौद्योगिकी में देश को अग्रणी राष्ट्र बनाने की दिशा

में उद्योग और शिक्षा जगत को व्यापक रूप से शामिल करके एक मजबूत अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षा जगत और उद्योग जगत की भागीदारी के माध्यम से रक्षा अनुसंधान एवं विकास में क्षमता वृद्धि के लिए विभिन्न विचार-मंथन सत्र और पूर्ण वार्ता आयोजित की गई। सम्मेलन का समापन आगे की राह तय करने की दिशा में विचारों और सुझावों के आदान-प्रदान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रौद्योगिकी और कॉर्पोरेट क्लस्टरों के महानिदेशकों, प्रयोगशालाओं के निदेशकों, और कार्यक्रम निदेशकों, मुख्यालय के कॉर्पोरेट निदेशकों तथा एकीकृत वित्तीय सलाहकारों सहित डीआरडीओ के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया।



## साइबर सुरक्षा कार्यशाला

### डीएमएसआरडीई, कानपुर

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह मनाने के लिए 22 अक्टूबर 2024 को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, में साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इस वर्ष अभियान का विषय 'साइबर सुरक्षित भारत-सतर्क नागरिक' है, जिसका उद्देश्य लोगों में साइबर जागरूकता लाना है। श्री विनय वर्मा, वैज्ञानिक 'ई' एवं आईएसओ द्वारा 'साइबर सुरक्षा' पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर डीएमएसआरडीई अधिकारियों में साइबर जागरूकता फैलाने के लिए दो लाइव साइबर हमले भी प्रदर्शित किए गए।



### एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र सेंटर (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, में 21 अक्टूबर 2024 को साइबर सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। श्री शशिधर टी के, प्रमुख सलाहकार, डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई), ने 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' पर व्याख्यान

दिया। एमटीआरडीसी के सभी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक व्याख्यान में भाग लिया।



### एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह समारोह के हिस्से के रूप में 21 अक्टूबर 2024 को 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' पर एक व्याख्यान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व के बारे में कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना, संभावित खतरों का समाधान करना, और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना था। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री मंगेश खातरकर, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार, 9USRCRAFT (एक साइबर सुरक्षा सलाहकार कंपनी), मुंबई, ने सत्र का नेतृत्व किया तथा फिशिंग, रैनसमवेयर, और संभावित उल्लंघनों सहित वर्तमान साइबर खतरों का व्यापक अवलोकन प्रदान किया जो संगठनात्मक और व्यक्तिगत सुरक्षा से समझौता कर सकते हैं।



### आरएसी, दिल्ली

29 अक्टूबर 2024 को, भर्ती और मूल्यांकन केंद्र (आरएसी), दिल्ली, ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता महीना को उभरते साइबर सुरक्षा खतरों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर केंद्रित एक विशेष कार्यशाला के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में श्री अमित वर्मा, निदेशक, ईवाई; श्री दिलनवाज अहमद, वरिष्ठ प्रबंधक, ईवाई; तथा श्री राजीव थामन, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक एसक्यूआर, कार्यालय महानिदेशक एमसीसी, डीआरडीओ, द्वारा विशेषज्ञ सत्र शामिल थे, जिन्होंने डिजिटल सुरक्षा में समकालीन चुनौतियों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। मुख्य विषयों में डिजिटल गिरफ्तारी का बढ़ता खतरा शामिल था, जिसमें अनधिकृत संस्थाएँ संवेदनशील डेटा पर नियंत्रण कर लेती हैं, जिससे गोपनीयता और सुरक्षा से समझौता होता है। सत्र में आधार प्रमाणीकरण को सुरक्षित करने और बेहतर डिजिटल पहचान सुरक्षा के लिए मास्कड आधार का उपयोग करने में एमआधार ऐप की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया गया।

कार्यशाला का समापन साइबर सतर्कता बढ़ाने के लिए कार्रवाई करने के आह्वान के साथ हुआ, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) के उद्देश्यों के अनुरूप राष्ट्रीय डिजिटल परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए ईमेल सुरक्षा, डिजिटल पहचान प्रबंधन, और सार्वजनिक वाई-फाई उपयोग में सर्वोत्तम तरीकों को अपनाने का आग्रह किया गया।





### टीबीआरएल, चंडीगढ़

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़, ने अक्टूबर 2024 के महीने में 'राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह' मनाया। टीबीआरएल कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए सीईआरटी-इन साइबर सुरक्षा पुस्तिका, सर्वोत्तम अभ्यास और दिशा-निर्देशों सहित विभिन्न सूचना सुरक्षा संबंधी सामग्री टीबीआरएल वेब पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई। साइबर और सूचना सुरक्षा जागरूकता फैलाने के

लिए 30 अक्टूबर 2024 को एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, और कर्मचारियों सहित टीबीआरएल समुदाय की भागीदारी देखी गई।

डॉ एम राघवेंद्र राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, टीबीआरएल, ने उद्घाटन व्याख्यान दिया और वर्तमान परिदृश्य में सूचना और साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया तथा कहा कि आज के तेजी से जटिल होते खतरे के परिदृश्यों में, सभी के लिए साइबर सुरक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक सतर्क, सूचित, और सक्रिय होना आवश्यक है। डॉ पीके खोसला, प्रो-वाइस चांसलर (शोध), चितकारा विश्वविद्यालय एवं पूर्व कार्यकारी निदेशक (सीडीएस, मोहाली), ने 'डिजिटल गिरफ्तारी और रैनसमवेयर के खिलाफ मजबूती से खड़े रहना' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। इसके अलावा, श्री राकेश भल्ला, वैज्ञानिक 'एफ' एवं संयुक्त निदेशक (सीएंडआईटी)

ने भी 'साइबर और सूचना सुरक्षा-समय की जरूरत' पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें टीबीआरएल कर्मचारियों को इस डिजिटल युग में सतर्क और साइबर-लचीले होने की आवश्यकता के बारे में बताया गया। टीबीआरएल के विशाल आईटी बुनियादी ढांचे को डिजिटल रूप से प्रबंधित करने के प्रयास में, टीबीआरएल कर्मचारियों द्वारा सुचारू और अधिक प्रभावी आईटी परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए उपयोग के लिए PRISM (प्रोएक्टिव रिसोर्स आईटी-एसेट सिस्टम मैनेजमेंट) नामक एक इन-हाउस विकसित सॉफ्टवेयर समाधान का भी उद्घाटन किया गया।



## डीएमएसआरडीई में एमएसएससी की बैठक

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, में 16 अक्टूबर 2024 को हाइब्रिड मोड में पहली सामग्री मानकीकरण उप-समिति (एमएसएससी) बैठक आयोजित की गई। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, एवं अध्यक्ष एमएसएससी, ने बैठक की अध्यक्षता की। अध्यक्ष ने अपने स्वागत भाषण में गुणवत्ता और मानकीकरण के बीच घनिष्ठ संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने डीजीक्यूए और आरएंडडी एजेंसियों के बीच सहयोग पर जोर दिया। बैठक के दौरान विशिष्ट अतिथि वाइस एडमिरल रंजीत सिंह, निदेशक डीक्यूआरएंडएस और डीवीएस, डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली, द्वारा व्याख्यान दिया



गया। बैठक में डीएमएसआरडीई कानपुर, मानकीकरण निदेशालय नई दिल्ली, रक्षा मानकीकरण सेल (डीएससी) कानपुर, सीक्यूए (जीएस) कानपुर, सीक्यूए (एमईटी) इच्छापुर, डीएससी इच्छापुर, सीआईएमडी नासिक, सीक्यूए (एमईटी) पुणे,

डीएपीआई, जीएसई, डीएससी अवाडी, डीएससी बदरपुर, डीएससी पुणे, और एनएचक्यू/डीजीओएनए के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का समापन लेफ्टिनेंट कर्नल धीरेश नारायण, ओआईसी डीएससी, कानपुर, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## डीटीटीसी, लखनऊ में एन्सीस मैकेनिकल एवं सीएफडी पर कौशल विकास कार्यक्रम

रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीटीटीसी), लखनऊ, द्वारा 15-16 अक्टूबर 2024 को 'एन्सीस मैकेनिकल और सीएफडी मॉड्यूल' पर एक दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य उद्योग पेशेवरों और छात्रों को अवधारणा आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री आलोक कुमार दीक्षित, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह-निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने किया। उन्होंने विभिन्न रक्षा एवं एयरोस्पेस उद्योगों में आवश्यक कुशल कार्यबल विकसित करने के लिए डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को अपने व्यावसायिक अध्ययन के दौरान तकनीकी कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. आशीष दुबे, वैज्ञानिक 'एफ' एवं पीडी, डीटीटीसी, ने



स्वागत भाषण दिया तथा एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप को मजबूत बनाने में डीटीटीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को डीटीटीसी में विभिन्न तकनीकी सुविधाओं एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने के इसके अधिदेश के बारे में अवगत कराया। श्री अमित कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', डीटीटीसी, ने एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए कौशल विकास के

महत्व पर चर्चा की।

समारोह के समापन के दौरान, मुख्य अतिथि, डॉ. मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डीएमएसआरडीई ने प्रतिभागियों से बातचीत की और फीडबैक लिया। उन्होंने बुनियादी अवधारणाओं को सीखने पर जोर दिया और प्रतिभागियों को तकनीकी कौशल विकसित करके उद्योग के लिए तैयार होने के लिए तैयार किया।

## ट्रेल ब्लेजर्स पर कार्यशाला'-लीडरशिप ऑफसाइट

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 8-10 नवंबर 2024 के दौरान अलीबाग में एनएमआरएल वैज्ञानिकों के लिए एक गतिविधि-आधारित नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम, 'ट्रेलब्लेजर्स-लीडरशिप ऑफसाइट' का आयोजन किया, जिसे विजयन पीपल सॉल्यूशंस एलएलपी, मुंबई, द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम में भावनात्मक बुद्धिमत्ता, तनाव प्रबंधन और परिस्थितिजन्य नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया ताकि एनएमआरएल वैज्ञानिक कार्यस्थल में



तकनीकी परियोजनाओं को संभालने में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला में कुल 18 एनएमआरएल वैज्ञानिकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। सभी

सत्र लीडर्स के रूप में उभरने और मजबूत होने में अत्यधिक सहायक थे। कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ।



## डीआरडीएल में डीआरडीओ कर्मचारियों के लिए सुरक्षा पर पाठ्यक्रम

22-24 अक्टूबर 2024 के दौरान रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, में 'डीआरडीओ कर्मचारियों के लिए सुरक्षा पर बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एसीईएम, एएसएल, एडीई, एडीआरडीई, ब्रह्मोस, बीडीएल, आईटीआर, आरसीआई, और डीआरडीएल के कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ जेवीआर सागर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, डीआरडीएल; कमांडर (सेवानिवृत्त) एमएल नारायण, निदेशक प्रबंधन सेवाएं, डीआरडीएल; श्री जीवी शिव राव, समूह निदेशक, परीक्षण एवं सुरक्षा, पाठ्यक्रम निदेशक, ने किया। श्री एन विजय, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख, सुरक्षा,



अग्नि और पर्यावरण इंजीनियरिंग प्रभाग ने पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। एएसएल, आरसीआई, आईटीआर, और

डीआरडीएल जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं के विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

## एएसएल में कंपोजिट के विकास में नवीनतम प्रगति पर पाठ्यक्रम

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद, ने 11-13 सितंबर 2024 के दौरान 'कंपोजिट के विकास में नवीनतम प्रगति' पर तीन दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री एस सीता रमन, वैज्ञानिक 'जी', प्रौद्योगिकी निदेशक, एसीसी, ने स्वागत संबोधन दिया और पाठ्यक्रम सामग्री का अवलोकन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि, श्री यू राजा बाबू, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एमएसएस), ने अपने संबोधन में कंपोजिट के क्षेत्र में एएसएल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और कंपोजिट उत्पादों के लिए मजबूत उद्योग आधार विकसित करने पर जोर दिया। श्री बीवी पापाराव,



विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल, ने अपने संबोधन में कंपोजिट के क्षेत्र में एएसएल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। श्रीमती आर शीना रानी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम निदेशक, अग्नि, ने पर्यावरण के अनुकूल और हरित

कंपोजिट का उपयोग करने पर तथा कंपोजिट उत्पादों के विकास में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ मनोज कुमार बुरागोहेन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक (एम); डॉ

अनिल कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक (ए) ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया तथा श्री के वी अनीश, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम निदेशक, ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

## डीआईपीआर में सूचना युद्ध पर कार्यशाला

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 4 नवंबर 2024 को सूचना युद्ध पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) के सत्ताईस वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर, ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सैन्य मनोविज्ञान, अधिकारी चयन, प्रशिक्षण, नियुक्ति, और भारतीय सशस्त्र बलों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने में प्रयोगशाला के अनुसंधान एवं विकास योगदान की सीमा पर प्रकाश डाला और संज्ञानात्मक डोमेन संचालन में उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित



करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यशाला में सूचना युद्ध और संज्ञानात्मक युद्ध के डोमेन में प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया, जैसे धारणा प्रबंधन, संघर्ष के माहौल में बातचीत, नैरेटिव, और काउंटर-नैरेटिव।

कार्यशाला में उभरते मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला को भी शामिल किया गया, जिसमें प्रचार रणनीतियों की प्रयोज्यता और संघर्ष के माहौल में व्यक्तियों और समूहों को समझना शामिल है।

## डीएमएसआरडीई में कलाम स्मृति व्याख्यान श्रृंखला-2024 का 10वां व्याख्यान

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 93वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 अक्टूबर 2024 को कलाम स्मृति व्याख्यान श्रृंखला-2024 का 10वां व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत डीएमएसआरडीई मुख्य द्वार पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की





प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की गई, जिसके बाद वृक्षारोपण किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में, डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने अपने शुरुआती डीआरडीओ करियर के दौरान डॉ कलाम के साथ काम करने की यादें

और अनुभव साझा किए। डॉ अविनाश चंद्र, पूर्व सचिव डीडी (आरएंडडी), एसए टू आरएम, एवं महानिदेशक डीआरडीओ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 'डॉ एपीजे अब्दुल कलाम: एक बहुमुखी व्यक्तित्व' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने डॉ कलाम के व्यक्तित्व

में विभिन्न विशेषताओं का व्यापक अवलोकन किया। मोहम्मद इमामुद्दीन, वैज्ञानिक 'एफ' ने डॉ कलाम के 'भारत के मिसाइल मैन' बनने की यात्रा के बारे में बताया। श्री अमित सरैया, वैज्ञानिक 'एफ' ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## एमटीआरडीसी में निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणालियों पर पाठ्यक्रम

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, ने 23-25 अक्टूबर 2024 के दौरान 'निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणालियों' पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणालियों की अवधारणा को विकसित करना; उच्च शक्ति लेजर और माइक्रोवेव डीईडब्ल्यू सिस्टम; अल्ट्रा वाइड बैंड डीईडब्ल्यू सिस्टम; विस्फोटक आधारित एचपीएम डीईडब्ल्यू सिस्टम; उच्च शक्ति ईएम और अंतर्राष्ट्रीय ईएमआई; आरएफ पल्स कंप्रेसर सिस्टम; उच्च शक्ति माइक्रोवेव स्रोत; पल्स पावर सप्लाई; डीईडब्ल्यू सिस्टम के लिए एंटेना; उच्च शक्ति उपकरणों के लिए मोड कनवर्टर; ड्रोन में हालिया रुझान और रक्षा अनुप्रयोगों में उनका



उपयोग; डीईडब्ल्यू सिस्टम के लिए ईओटीएस की भूमिका; और ANSYS एवं HFSS तथा STK का उपयोग करके प्रदर्शन सत्यापन करना था। डॉ अशोक बंसीवाल, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री खिलावन चौधरी, वैज्ञानिक 'एफ' क्रमशः

पाठ्यक्रम निदेशक और सह पाठ्यक्रम निदेशक थे। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ सुधीर कामथ, निदेशक, डीआईए-आरसीओई, आईआईएससी, बेंगलूर, द्वारा किया गया, डॉ कामथ पाठ्यक्रम के मुख्य वक्ता भी थे।

## आईटीएम में TECHMA 2024

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 24 अक्टूबर 2024 को 'विजन इंडिया/2047 के लिए रक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी प्रबंधन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (TECHMA 2024) का वर्चुअल उद्घाटन किया। सम्मेलन का आयोजन प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी, में किया गया, जिसका उद्देश्य देश की रक्षा

प्रौद्योगिकियों को 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने के राष्ट्रीय उद्देश्य के साथ जोड़ना था।

अपने संबोधन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, और सेवाओं से रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने और भारत को 'सशक्त, सुरक्षित एवं विकसित भारत' बनाने के लिए विलय और तालमेल को

अपनाने का आग्रह किया। बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए मानसिकता बदलने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने ऐसे नवोन्मेषी और अनूठे विचारों के साथ आने का आह्वान किया जो सशस्त्र बलों और बदले में राष्ट्र के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

सम्मेलन की शुरुआत '2047 के

विज्ञान इंडिया के लिए भविष्य की तकनीकों का उपयोग और स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करना' विषय पर एक गोलमेज चर्चा के साथ हुई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ शामिल हुए। TECHMA 2024 के विषय हैं, भविष्य की रक्षा तकनीकें, 2047 के लिए रणनीतिक दृष्टि के साथ प्रौद्योगिकी प्रबंधन, रक्षा में परियोजना प्रबंधन उत्कृष्टता, और मूल्य इंजीनियरिंग एवं व्यावसायीकरण। TECHMA 2024 से प्राप्त अंतर्दृष्टि भारत के स्वदेशी अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, बहु-विषयक अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान करना, परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं में



सुधार करना तथा तकनीकी, रसद एवं कार्यान्वयन चुनौतियों को दूर करने के लिए भविष्य की रक्षा प्रौद्योगिकियों

के लिए समाधान विकसित करना था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारत 2047 तक वैश्विक नेता बन जाए।

## परिचालन रसद के लिए दोहरे कूबड़ वाले ऊंटों और याकों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण

उच्च उन्नतांश अनुसंधान रक्षा संस्थान (दिहार), लेह, ने 07-11 अक्टूबर 2024 के दौरान 'भारतीय सेना और ITBP के नर्सिंग सहायक (VETS) की जिम्मेदारी वाले 14 कोर जोन क्षेत्र में परिचालन रसद के लिए दोहरे कूबड़ वाले ऊंटों और याकों का प्रबंधन' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कैम्पस आयोजित किया, जिसमें उच्च ऊंचाई और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में परिचालन रसद के लिए लद्दाखी दोहरे कूबड़ वाले (बैक्ट्रियन) ऊंटों और लद्दाखी याकों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सैन्य कर्मियों, पशु चिकित्सकों और रसद प्रबंधकों सहित प्रमुख हितधारकों को उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में



परिचालन रसद में पैक जानवरों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल

प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया। सेना और ITBP के कुल 12 सैनिकों ने प्रशिक्षण कैम्पस में भाग



लिया। प्रशिक्षण का प्राथमिक लक्ष्य उच्च ऊंचाई और चरम वातावरण में परिवहन, भार उठाने, और आवश्यक रसद कार्यों को करने के लिए ऊँटों और याकों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए परिचालन तत्परता

को बढ़ाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र शामिल थे, जहां सभी प्रतिभागियों ने पशु नियंत्रण, प्रशिक्षण आदेश, फार्म प्रबंधन आदि का अभ्यास किया। प्रशिक्षुओं को मॉक लॉजिस्टिक्स मिशनों में

शामिल किया गया, जहां उन्होंने आपूर्ति के परिवहन के लिए पशुओं के उपयोग का समन्वय किया, तथा वास्तविक विश्व सैन्य अभियानों में प्रशिक्षण के व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया।

## डीआरडीई में शिक्षण संस्थानों एवं उद्योगों को सक्रिय और समन्वित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर, ने 20-21 अक्टूबर 2024 के दौरान 'रसायन-जैव रक्षा में प्रौद्योगिकी विकास की गति को तेज करने के लिए शिक्षण संस्थानों एवं उद्योगों का सक्रियण और समन्वयन' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। डॉ ए के गोयल, वैज्ञानिक 'जी' एवं आयोजन सचिव ने सम्मेलन का परिचय दिया। डॉ एमएम परिदा, निदेशक, डीआरडीई, ने स्वागत व्याख्यान दिया। डॉ यू के सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), तथा मुख्य अतिथि ने अपने व्याख्यान में रसायन-जैव रक्षा के क्षेत्र में तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए उद्योगों और शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। भारत बायोटेक



के कार्यकारी अध्यक्ष पदम भूषण डॉ कृष्णा एला ने मुख्य व्याख्यान दिया। सम्मेलन में उद्योगों, शिक्षण संस्थानों और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा सभी व्याख्यानों के सारांश सहित सार की एक पुस्तक का विमोचन किया गया। डीआरडीई

द्वारा विकसित उत्पादों का एक संग्रह भी जारी किया गया।

डॉ एस आई आलम, वैज्ञानिक 'एफ' तथा डॉ सोनम सिहाग ने सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों का संचालन किया। डॉ एम के मेघवंशी, वैज्ञानिक 'एफ' और संयुक्त आयोजन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

## डीएलजे में प्रोफसर दौलत सिंह कोठारी स्मारक व्याख्यान

19 अक्टूबर 2024 को रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर, में प्रोफसर दौलत सिंह कोठारी स्मारक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रोफसर अजय कुमार सूद ने 'भारत@2023: विज्ञान और

प्रौद्योगिकी अवसर एवं चुनौतियाँ' पर व्याख्यान दिया। प्रोफसर सूद ने अपने विचार-विमर्श में भारतीय संदर्भ में बुनियादी शोध की आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने युवा शोधकर्ताओं को क्वांटम कंप्यूटिंग, सेंसिंग और डिटेक्शन और

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित प्रौद्योगिकियों से जुड़े शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में निरंतर नवाचार की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी

आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने अपने अध्यक्षीय व्याख्यान में युद्ध परिदृश्य की बदलती प्रकृति के अनुसार अत्याधुनिक समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री आरवी हाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) तथा निदेशक, डीएलजे, ने प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे वर्तमान विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यों पर प्रकाश डाला।



## डीआरडीएल में डेसीडॉक द्वारा ई-संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर परिचय कार्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, के सहयोग से 29 नवंबर 2024 को डीआरडीएल में हैदराबाद स्थित डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में कार्यरत पुस्तकालय पेशेवरों के लिए 'डीआरडीओ कंसोर्टियम के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर परिचय कार्यक्रम' का आयोजन किया। श्री जीए श्रीनिवास मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआरडीएल, तथा श्री एमएल नारायण, कमोडोर (सेवानिवृत्त), ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक, ने अपने उद्घाटन व्याख्यान में कार्यक्रम के उद्देश्य का संक्षिप्त विवरण दिया और डीआरडीओ डिजिटल लाइब्रेरी के बारे में बात की। डॉ मूर्ति ने अपने संबोधन में डीआरडीओ के वैज्ञानिक समुदाय को सूचना सेवाएँ प्रदान करने में डेसीडॉक के प्रयासों की



सराहना की।

डेसीडॉक टीम द्वारा डीआरडीओ ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म; डीआरडीओ कंसोर्टियम और डीआरडीओ संस्थागत रिपॉजिटरी के तहत सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधन; स्कोपस डेटाबेस और जेन्स डेटाबेस का डेमो; डीआरडीओ जर्नल और मोनोग्राफ; तथा स्कॉलरली कम्युनिकेशन पर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

गणमान्य व्यक्तियों ने एक पुस्तक 'डिजिटल सूचना संसाधनों का प्रबंधन-डॉ के नागेश्वर राव के सम्मान में एक फेस्टशिफ्ट' का भी विमोचन किया।

यह पुस्तक प्रख्यात पुस्तकालय पेशेवरों द्वारा लिखे गए शोधपत्रों का संकलन है, और एलाइड पब्लिशर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित की गई है।



## एसएसपीएल में उच्च शक्ति वाले अर्धचालक उपकरणों की असेंबली और पैकेजिंग पर पाठ्यक्रम

ढोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली, ने 23-25 अक्टूबर 2024 के दौरान 'उच्च आवृत्ति और उच्च शक्ति वाले अर्धचालक उपकरणों की असेंबली और पैकेजिंग' विषय पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य रणनीतिक उच्च आवृत्ति और उच्च शक्ति वाले अर्धचालक उपकरणों के लिए असेंबली और पैकेजिंग के महत्व और अंतर्दृष्टि प्राप्त करना था। डॉ मीना मिश्रा, निदेशक, एसएसपीएल, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। एसएसपीएल, डीआरडीओ, एडीई, और ब्रह्मोस एयरोस्पेस से कुल 40 प्रतिभागी पंजीकृत हुए। पाठ्यक्रम के साथ विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए, जिसमें आईआईएससी बेंगलूर, आईआईटी बॉम्बे, बिट्स पिलानी, एससीएल चंडीगढ़, गैटेक



हैदराबाद, आईआईटी हैदराबाद, समीर मुंबई, सीएमटीआई बेंगलूर, और स्टार्क बेंगलूर के संकायों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। शिक्षाविदों के अलावा, टाटा डिफेंस, पारस एंटी ड्रोन सिस्टम, कयोसेरा, जापान जैसे विभिन्न उद्योगों

के विशेषज्ञ भी संकायों में शामिल थे। पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में डॉ एस के तोमर, वैज्ञानिक 'जी' तथा पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में श्री सुबोध चंद्र वैज्ञानिक 'ई' के नेतृत्व में पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

## आईटीएम में MITRA पर पाठ्यक्रम

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी, ने 23 सितंबर, 2024 से 18 अक्टूबर, 2024 तक नव पदोन्नत वैज्ञानिक 'डी' के लिए 'मिड कैरियर ट्रेनिंग ऑगमेंटेशन (MITRA 4.1)' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। गुप कैप्टन एमपी कुंद्रान इस पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक थे। डीआरडीओ के विभिन्न समूहों से कुल 28 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य नव पदोन्नत वैज्ञानिक 'डी' को परियोजना प्रबंधन, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन, समूह गतिशीलता और टीम निर्माण, प्रयोगों के डिजाइन, नए उत्पाद विकास, और डीआरडीओ के विभिन्न कॉर्पोरेट कार्यों के प्रति उन्मुख



करना था। इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ शशि बाला सिंह, पूर्व महानिदेशक (एलएस) तथा श्री एसपी डोभाल, निदेशक, आईटीएम, द्वारा किया गया। श्री एसपी डोभाल, निदेशक, आईटीएम, ने नई डीआरडीओ

प्रशिक्षण नीति में MITRA पाठ्यक्रम के महत्व पर विचार-विमर्श किया और प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और सत्रों के दौरान संकाय के साथ खुलकर बातचीत करने का आग्रह किया।

## आरसीआई में 'लैब टू लीडर' प्रशिक्षण कार्यक्रम

रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई), हैदराबाद, ने 12-14 नवंबर, 2024 के दौरान डीआरडीओ मूल्यांकन केंद्र (डीएसी), आरसीआई, हैदराबाद, में मिसाइल क्लस्टर प्रयोगशालाओं के 50 वरिष्ठ वैज्ञानिकों 'एफ' और 'जी' के लिए 'लैब टू लीडर' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट फॉर

स्ट्रैटेजी, एचआर और एनालिटिक्स (PRISHA) ने पाठ्यक्रम संचालित किया। कार्यक्रम में विजन, मिशन, रणनीति, नेतृत्व, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, और अनुसंधान एवं विकास परियोजना प्रबंधन सहित कई विषयों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, इसमें डीआरडीओ परिदृश्यों से संबंधित मामलों का अध्ययन

शामिल था, जिनसे सभी प्रतिभागी जुड़ सकते थे और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकते थे। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की काफी सराहना की और पाठ्यक्रम से प्राप्त नई सीख के आलोक में दिन-प्रतिदिन की स्थितियों को सहानुभूतिपूर्ण तरीके से संभालने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास महसूस किया।



## एएसएल में लैंगिक संवेदनशीलता पर जागरूकता कार्यक्रम

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला, (एएसएल), हैदराबाद, ने 24 अक्टूबर 2024 को 'लैंगिक संवेदनशीलता और POSH अधिनियम 2013 के कार्यान्वयन पर जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया। श्रीमती अमृता शिवाने, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, आईसीसी, ने सभी का स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री बी वी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल, ने एएसएल की कार्य संस्कृति की सराहना की, जहां महिला एवं पुरुष कर्मचारी एक साथ काम करते हैं और प्रत्येक गतिविधि में भाग लेते हैं। श्रीमती आर शीना रानी, वैज्ञानिक

'एच' ने डीआरडीओ में लैंगिक समानता पर जोर दिया। डॉ ए एल शारदा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उन्होंने

कार्यस्थल पर POSH अधिनियम और लैंगिक संवेदनशीलता कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।





## केयर में लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, ने 20 सितंबर 2024 को लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित की। डॉ ज्योति गंगा, उप निदेशक, राष्ट्रीय लोक सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (NIPCCD), क्षेत्रीय केंद्र बेंगलोर, ने लैंगिक संवेदनशीलता पर एक व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने लिंग को समझने, लिंग समानता, समाज, कार्यस्थल और संगठन स्तर पर जागरूकता और संवेदनशीलता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने 'कार्यस्थल पर POSH' पर भी बात की और कुछ केस स्टडी पर चर्चा की। कार्यशाला में केयर के कर्मचारियों ने भाग लिया।



## 9वीं प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक

गृह मंत्रालय-डीआरडीओ सहयोग के तहत 9वीं प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक (टीसीएम) 4 नवंबर 2024 को डीआरडीओ भवन में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ चंद्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) ने की, जबकि गृह मंत्रालय, सीआरपीएफ, बीएसएफ, एनएसजी, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, एनडीआरएफ, असम राइफल्स, आईबी, दिल्ली पुलिस के सदस्य, और डीआरडीओ मुख्यालय के अधिकारी बैठक में शामिल हुए। एलआईसी उत्पादों के विकास में शामिल डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। श्री संगीता राव आचार्य निदेशक, डीएलआईसी, एवं प्रौद्योगिकी परिषद की सदस्य सचिव, ने विभिन्न प्रयासों पर प्रगति प्रस्तुत की, जैसे एसडी तंत्र के साथ UBG, LMG, CQB,



ASMI पिस्तौल, OTL, हथियारबंद HHTI, डैजलर, एंटी माइनर बूट, परिधि घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (सुमित्रा), आरओवी, काउंटर ड्रोन सिस्टम, जीपीआर, मैन पैक SDR, एक्सोस्केलेटन, मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग परीक्षण उपकरण, ध्वनिक सेंसर आधारित गन लोकेटर, सीबीआरएन मिनी UGV, चेहरे की पहचान प्रणाली,

BAMI, टनल डिटेक्टर सिस्टम, बॉस, ओपीएक्स-रेविलेटर, आदि। विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा किए गए नए विकास भी प्रस्तुत किए गए, असॉल्ट राइफल (Ugram), बीपीजे स्तर 6, एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए कॉम्बैट बूट, ECWCS, कॉम्पैक्ट ट्रांस होरिजन कम्युनिकेशन सिस्टम (CTCS), आदि।

## जीटीआरई में हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा 2024

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), बेंगलुरु, में 18 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिंदी सुलेख, चित्र देखें और हिंदी में कहानी लिखें, निबंध प्रतियोगिता, हिंदी नोटिंग, अनुवाद, प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता, तथा अंताक्षरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समापन समारोह 23 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री लक्ष्मी कांत दाश, पोस्टमास्टर जनरल, बेंगलुरु मुख्यालय तथा डॉ एएन विश्वनाथ राव, वैज्ञानिक 'एच', निदेशक के प्रतिनिधि के रूप में, ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्रीमती सुप्रिया अनिल, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने स्वागत संबोधन दिया। श्री प्रकाश कुमार यदु, वैज्ञानिक 'एफ' एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ने राजभाषा पर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद,



वैज्ञानिक 'जी' एवं तकनीकी निदेशक (हिंदी अनुभाग) श्री सुजीत कुमार सिंह ने हिंदी दिवस के अवसर पर गृह मंत्री और डीआरडीओ के अध्यक्ष से प्राप्त संदेशों को पढ़ा। इसके बाद, मंच पर

उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों ने हिंदी गृह पत्रिका 'हंसा' के 21वें संस्करण का विमोचन किया। हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

## टिप्पणी एवं मसौदा कौशल पर कार्यशाला

डीआरडीओ भवन में 21-22 अक्टूबर 2024 के दौरान मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी) डीआरडीओ-मुख्यालय द्वारा 'टिप्पणी एवं मसौदा कौशल' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्रीमती यू जेया संधी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने किया। रक्षा मुख्यालय प्रशिक्षण संस्थान (डीएचटीआई) और सचिवालय एवं प्रशिक्षण प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) के विशेषज्ञ वक्ताओं ने व्याख्यान दिए और टिप्पणी एवं मसौदा कौशल की व्यापक समझ



सुनिश्चित की।

कार्यशाला की योजना बहुत ही सावधानीपूर्वक बनाई गई थी तथा

इसका समापन डीआरडीओ मुख्यालय के विभिन्न निदेशालयों से आए पैंतीस प्रतिभागियों के समूह के साथ हुआ।



## उच्च योग्यता अर्जन

### एनपीओएल, कोच्चि



श्री रोनी फ्रांसिस, वैज्ञानिक 'एफ', नौसेना भौतिकी एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, से उनके थीसिस के शीर्षक, "न्यूमेरिकल एनालिसिस ऑफ टर्बुलेंट बाउंड्री लेयर वाल प्रेशर फ्लुक्चुएशन्स यूसिंग लार्ज एड्डी सिमुलेशन" के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

### एनएसटीएल, विशाखापत्तनम



मौ० करीम खान, वैज्ञानिक 'एफ', नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, को उनके द्वारा प्रस्तुत थीसिस के लिए आईआईटी, खड़गपुर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई, जिसका शीर्षक है 'एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन ऑन दी हाइड्रोडायनेमिक लोड्स एंड फ्लो फीचर्स ओवर एंड अंडरवाटर बॉडी'।

श्रीमती एम रत्ना कुमारी, प्रधान निजी सचिव, को उनके द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंध 'ई-ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज इन पब्लिक सेक्टर-एस्टडी ऑन सेलेक्ट पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशन' के लिए 9 अक्टूबर 2024 को आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

### डीआरडीओ इंद्रा-जोनल क्रिकेट टूर्नामेंट 2024-25

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, की क्रिकेट टीम ने 11-15 नवंबर 2024 के दौरान किंग्स स्पोर्ट्स क्लब एंड कैफे, डीएन परांडे पार्क स्पोर्ट्स क्लब, पुणे, में आरएंडडीई (ई), पुणे द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्र इंद्रा-जोनल क्रिकेट टूर्नामेंट (2024-2025) जीता। पश्चिमी क्षेत्र डीआरडीओ

प्रयोगशालाओं (एचईएमआरएल, एआरडीई, एनएमआरएल, आरएंडडीई, वीआरडीई और एसीईएम) ने टूर्नामेंट में भाग लिया।

श्री पीएम नाइक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, अनुसंधान एवं विकास (ई), पुणे, ने टूर्नामेंट में चैंपियन ट्रॉफी जीतने के लिए एनएमआरएल, अंबरनाथ, टीम को सम्मानित किया।



## डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

### एआरडीई, पुणे

● स्कूल ऑफ आर्टिलरी देवलाती में लॉन्ग गनरी स्टाफ कोर्स सीनियर फील्ड 6001 कर रहे 47 छात्रों (जेसीओ/एनसीओ) ने तीन निर्देशन स्टाफ सदस्यों के साथ 4 नवंबर 2024 को आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, का दौरा किया। आगंतुकों को एआरडीई के बारे में जानकारी दी गई और संबंधित समूह द्वारा इन्फैंट्री वेपन पर प्रस्तुति दी गई। इस यात्रा के दौरान स्टैटिक एक्सपोजिशन हॉल और ATAGS गन बे का दौरा भी आयोजित किया गया।

● मेजर जनरल रूपेश मेहता, एसएम, वीएसएम, एडीजी सीडी (बी), आईएचक्यू ऑफ एमओडी, ने 29 अक्टूबर 2024 को एआरडीई का दौरा किया। श्री अंकथी राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एआरडीई, ने उनका स्वागत किया और चल रही एआरडीई परियोजनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर एआरडीई के कार्यों और गतिविधियों पर समूह निदेशकों द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। निदेशक, एआरडीई द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ उनकी यात्रा का समापन हुआ।

### केयर, बेंगलुरु

● रियर एडमिरल पीयूष पावसे, संयुक्त मुख्य हाइड्रोग्राफर, ने 5 सितंबर 2024 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, का दौरा किया। डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर, द्वारा ब्रीफिंग की गई, जिसके बाद भौगोलिक सूचना प्रणाली और नौसेना प्रणालियों के लिए कमांड कंट्रोल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।



एआरडीई, पुणे में तीन निर्देशन स्टाफ सदस्यों के साथ स्कूल ऑफ आर्टिलरी देवलाती में लॉन्ग गनरी स्टाफ कोर्स के छात्र (जेसीओ/एनसीओ)



एआरडीई, पुणे में एआरडीई के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ मेजर जनरल रूपेश मेहता



केयर, बेंगलुरु में अपने दौरे के दौरान रियर एडमिरल पीयूष पावसे, संयुक्त मुख्य हाइड्रोग्राफर



● एयर वाइस मार्शल राजीव रंजन, वीएम एसीआईडीएस (आईसीटी) और टीम ने 23 अक्टूबर 2024 को केयर का दौरा किया। डॉ रितुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर, द्वारा ब्रीफिंग दी गई, जिसके बाद भौगोलिक सूचना प्रणाली, इंटेलिजेंट सिस्टम और रोबोटिक्स, नौसेना प्रणालियों के लिए सुरक्षित संचार एवं कमांड कंट्रोल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।



एयर वाइस मार्शल राजीव रंजन, केयर, बेंगलुरु में चर्चा करते हुए

### डीएमएसआरडीई, कानपुर

एयर फोर्स स्कूल चकेरी, कानपुर, के 150 सीनियर सेकेंडरी छात्रों ने 25 अक्टूबर 2024 को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, का दौरा किया। छात्रों को उनके संकाय सदस्यों के साथ प्रयोगशाला द्वारा की जा रही विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को सिरेमिक और सिरेमिक मैट्रिक्स कंपोजिट (CMC), स्टील्थ और छद्मावरण सामग्री, नैनो सामग्री, कोटिंग्स, और व्यक्तिगत सुरक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। डॉ गोबरधन लाल, वैज्ञानिक 'एफ' ने इस दौरे का समन्वय किया।



एयर फोर्स स्कूल चकेरी, कानपुर, के छात्रों का डीएमएसआरडीई, कानपुर में दौरा

### डीआरडीओ मुख्यालय

श्री दलजीत सिंह चौधरी, आईपीएस, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अपनी टीम के साथ 20 नवंबर 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया। बीएसएफ गृह मंत्रालय के तहत प्रमुख अर्धसैनिक बलों में से एक है जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए जिम्मेदार है। इस दौरे



डॉ (श्रीमती) चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी एंड एसआई), श्री दलजीत सिंह चौधरी, आईपीएस, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

के दौरान, अधिकारियों ने डॉ (श्रीमती) चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) तथा कम तीव्रता संघर्ष

निदेशालय (डीएलआईसी) की टीम के साथ बातचीत की, और उन विशिष्ट प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया,

जहां डीआरडीओ डीआरडीओ-एमएचए सहयोग के तहत बीएसएफ की सहायता कर सकता है। निदेशक, डीएलआईसी ने बीएसएफ के साथ चल रहे सहयोग पर विस्तृत प्रस्तुति दी। सीमा प्रबंधन चुनौतियों के लिए तकनीकी समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का समापन महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) द्वारा अतिथियों के अभिनंदन के साथ हुआ।

### एनपीओएल, कोच्चि

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 21 अक्टूबर 2024 को नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, का दौरा किया।

डॉ दुवुरी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल, ने अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके बाद, अध्यक्ष ने चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठकों में श्री आरवी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) तथा डॉ मनु कोरुल्ला, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आरएंडएम) भी मौजूद थे।

अध्यक्ष और अन्य अतिथियों ने शोर इंटीग्रेशन फैसिलिटी (SIF) और एनपीओएल द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शनों का दौरा किया।

डॉ कामत ने श्री हारा प्रसाद, महानिदेशक (एनएस एंड एम), डॉ

कोरुल्ला, डॉ शेषागिरी और डॉ ए रघुनाथ राव, समूह निदेशक, महासागर विज्ञान, तथा अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में सागरनाद संस्करण 3 एक संवादात्मक समुद्र विज्ञान विजुअलाइजेशन टूल भी जारी किया।

सागरनाद संस्करण 3, को एनपीओएल, कोच्चि, द्वारा नौसेना संचालन डेटा प्रसंस्करण और विश्लेषण केंद्र (एनओडीपीएसी), एसएनसी, और एकेडमिया (एमईएस कॉलेज, मरमपल्ली) के सहयोग से डिजाइन एवं विकसित किया गया।

उपयोगकर्ता द्वारा मूल्यांकन के सफल समापन के बाद सागरनाद संस्करण 3 सॉफ्टवेयर टूल डीआरडीओ को सौंप दिया गया।



डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ २१ अक्टूबर २०२४ को एनपीओएल, कोच्चि, में अपने दौरे के दौरान एनपीओएल उत्पादों में गहरी रुचि लेते हुए